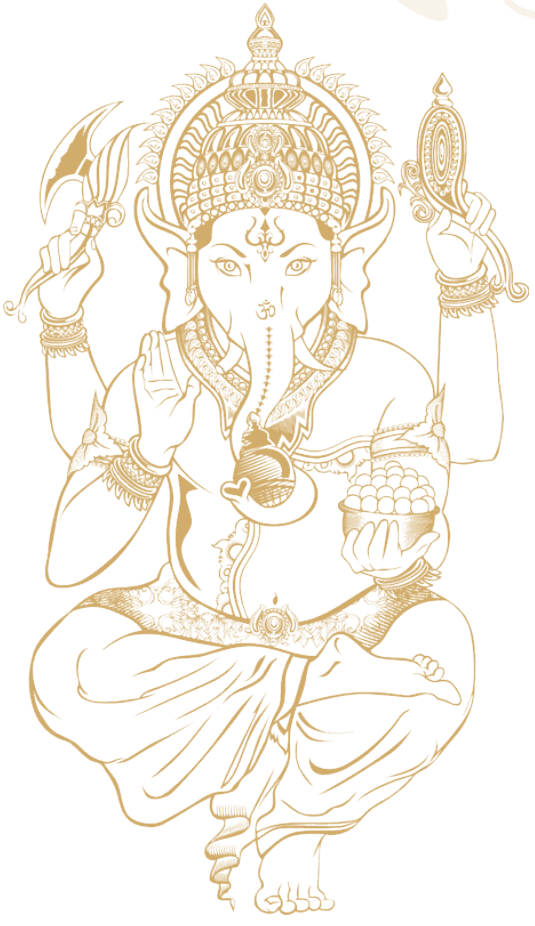

Mamta vishwakarma

18 Sep 1996

02:18 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 119199503

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17-18/09/1996**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:18:00 घंटे**
इष्ट	49:38:03 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:39:20 घंटे
वेलान्तर	00:05:32 घंटे
साम्पातिक काल	01:27:34 घंटे
सूर्योदय	06:26:46 घंटे
सूर्यास्त	18:39:06 घंटे
दिनमान	12:12:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:24:54 कन्या
लग्न के अंश	03:29:00 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	03:29:00	320:41:24	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			कन्या	01:24:54	00:58:35	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	28:36:31	13:11:32	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	11:11:22	00:37:04	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध	व	अ	कन्या	00:45:57	01:02:25	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	उच्च राशि
गुरु			धनु	14:19:47	00:02:42	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	17:45:44	01:06:24	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	10:50:46	00:04:35	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु			कन्या	14:12:37	00:01:10	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:12:37	00:01:10	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:01:51	00:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:15:37	00:00:36	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:55:44	00:01:15	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मीन	29:50:30	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:43

लग्न-चलित

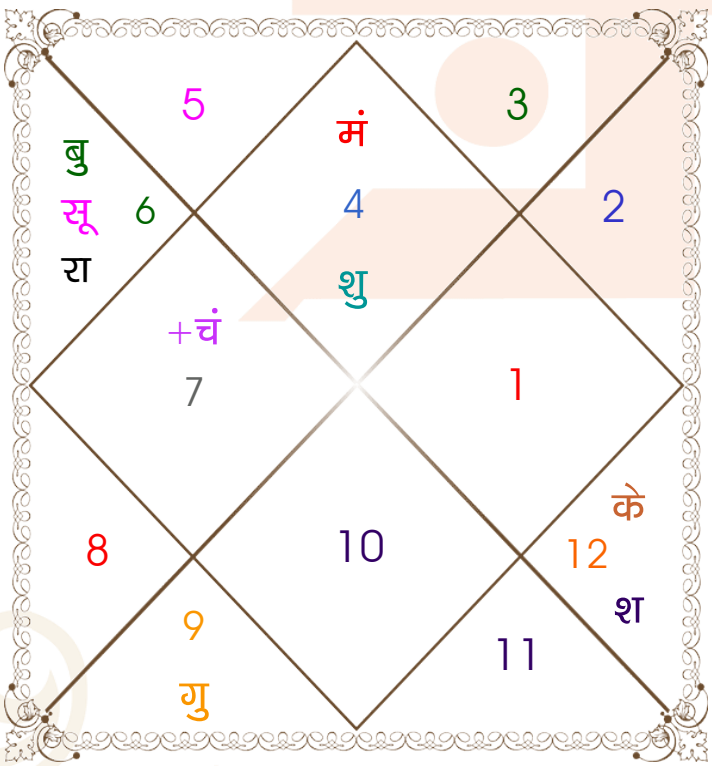

चन्द्र कुंडली

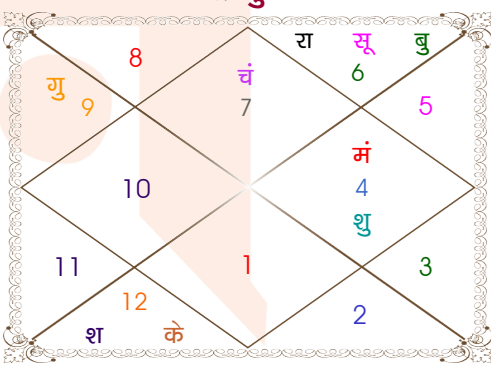

नवमांश कुंडली

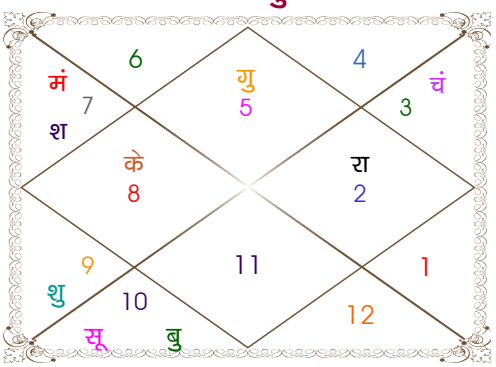

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 8 मास 1 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/09/1996		20/05/2002		20/05/2021		20/05/2038		20/05/2045	
20/05/2002		20/05/2021		20/05/2038		20/05/2045		20/05/2065	
	00/00/0000	शनि	23/05/2005	बुध	17/10/2023	केतु	17/10/2038	शुक्र	19/09/2048
	00/00/0000	बुध	31/01/2008	केतु	13/10/2024	शुक्र	17/12/2039	सूर्य	19/09/2049
	00/00/0000	केतु	11/03/2009	शुक्र	14/08/2027	सूर्य	23/04/2040	चंद्र	21/05/2051
	18/09/1996	शुक्र	11/05/2012	सूर्य	19/06/2028	चंद्र	22/11/2040	मंगल	20/07/2052
शुक्र	01/12/1996	सूर्य	23/04/2013	चंद्र	19/11/2029	मंगल	20/04/2041	राहु	21/07/2055
सूर्य	19/09/1997	चंद्र	22/11/2014	मंगल	16/11/2030	राहु	08/05/2042	गुरु	21/03/2058
चंद्र	19/01/1999	मंगल	01/01/2016	राहु	04/06/2033	गुरु	14/04/2043	शनि	20/05/2061
मंगल	26/12/1999	राहु	07/11/2018	गुरु	10/09/2035	शनि	23/05/2044	बुध	20/03/2064
राहु	20/05/2002	गुरु	20/05/2021	शनि	20/05/2038	बुध	20/05/2045	केतु	20/05/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/05/2065		21/05/2071		20/05/2081		20/05/2088		21/05/2106	
21/05/2071		20/05/2081		20/05/2088		21/05/2106		00/00/0000	
सूर्य	07/09/2065	चंद्र	20/03/2072	मंगल	16/10/2081	राहु	31/01/2091	गुरु	09/07/2108
चंद्र	08/03/2066	मंगल	19/10/2072	राहु	04/11/2082	गुरु	26/06/2093	शनि	20/01/2111
मंगल	14/07/2066	राहु	20/04/2074	गुरु	11/10/2083	शनि	02/05/2096	बुध	27/04/2113
राहु	08/06/2067	गुरु	20/08/2075	शनि	19/11/2084	बुध	19/11/2098	केतु	03/04/2114
गुरु	26/03/2068	शनि	20/03/2077	बुध	16/11/2085	केतु	08/12/2099	शुक्र	19/09/2116
शनि	08/03/2069	बुध	20/08/2078	केतु	14/04/2086	शुक्र	08/12/2102		00/00/0000
बुध	13/01/2070	केतु	21/03/2079	शुक्र	14/06/2087	सूर्य	02/11/2103		00/00/0000
केतु	20/05/2070	शुक्र	19/11/2080	सूर्य	20/10/2087	चंद्र	03/05/2105		00/00/0000
शुक्र	21/05/2071	सूर्य	20/05/2081	चंद्र	20/05/2088	मंगल	21/05/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 7 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

शास्त्री नरेश मुरलीधर दवे
M.A. संस्कृत साहित्य, ज्योतिष रत्न,
Bhayandar East Mumbai
9820675981